

गम जो बा...
तामील में जा...

2022/121

तारीख हुयम	हुयम या कार्यवाही इनिशियल जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इरा हुयम की तामील में जारी हुए
02-07-24	पष्मील प्रार्थी उप. । पत्रावली वास्ति साबिक कार्यवाही हेतु दि. 19-09-24 को पेश हो	
15-09-24	पत्रावली पेश हुई अभिभाषक उभय पक्ष उपस्थित है आज श्रीमान उपखण्ड अधिकारी राज्य कार्यवश बाहर दौरे में तशरीफ रखाते है/ अन्य कार्य में व्यस्थ है/ अभिभाषणगण कन्डोलेंस पर है। अतः पत्रावली साबिक कार्यवाही हेतु दिनांक... 25-10-24 को पेश हो	
25/10/24	पत्रावली पेश की। पत्रावली में TOR, प्रती की रिपोर्ट समाप्त है। पुनः पत्र जारी होकर पत्रावली दि 20/11/24 को पेश हो	
20/11/24	पत्रावली पेश हुई अभिभाषक उभय पक्ष उपस्थित है आज श्रीमान उपखण्ड अधिकारी राज्य कार्यवश बाहर दौरे में तशरीफ रखाते है/ अन्य कार्य में व्यस्थ है/ अभिभाषणगण कन्डोलेंस पर है। अतः पत्रावली साबिक कार्यवाही हेतु दिनांक... 13/01/25 को पेश हो	
13/01/25	पत्रावली पेश की। TOR, प्रती की रिपोर्ट अभिभाषण समाप्त है। पुनः पत्र जारी होकर पत्रावली दि 30.09.2024 को पत्रावली में बहाल मुनी गई। पत्रावली आदेश दि 17/01/25 को पेश हो	
17/01/25	पत्रावली पेश की। रिपोर्ट समाप्त है। पत्रावली में पत्रावली समाप्त होकर बाद मुनी शेषित दस्तावेज है।	



न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, वून्दी जिला वून्दी राजस्थान

मिसल नंबर 91 / प्रा0प0 / 2022 दायरा दिनांक 07.11.2022 पीठासीन अधिकारी हरविन्दर डी0 सिंह, आर0ए0एस0

नन्दलाल आत्मज बाबूलाल जाति कुम्हावत् निवासी ग्राम रघुवीरपुरा तहसील व जिला वून्दी राजस्थान।

—प्रार्थी

—वनाम—

राजस्थान राज्य सरकार जयें तहसीलदार वून्दी जिला वून्दी राज०।

—अप्रार्थी

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा-136 राज० भू-राजस्व अधि०, 1956 बावत् राजस्व नक्शें में तरमीम किये जाने रास्ता

निर्णय

दिनांक-17.01.2025

उपस्थित- प्रार्थी की ओर से एडवोकेट श्री अनन्त शर्मा।
अप्रार्थी की ओर से परोकार सरकार।

प्रार्थी द्वारा प्रार्थना पत्र पेश किया। प्रार्थना पत्र के संक्षेप में तथ्य इस प्रकार हैं कि प्रार्थी के खातेदारी अधिकार एवं कब्जे की कृषि भूमि खसरा संख्या 140 रकबा 0.7306 हैक्टेयर खसरा नंबर 141 रकबा 0.4076 हैक्टेयर, खसरा संख्या 142 रकबा 0.5998 हैक्टेयर, खसरा संख्या 143 रकबा 0.0461 हैक्टेयर, खसरा संख्या 144 रकबा 0.2615 हैक्टेयर कुल किता 5 कुल रकबा 2.0456 हैक्टेयर वाके ग्राम रघुवीरपुरा तहसील एवं जिला वून्दी में स्थित हैं। उपरोक्त वर्णित प्रार्थी के खातेदारी की भूमि में खसरा संख्या 143 गै०मु०वा० की भूमि हैं जिसमें बने हुये कुएं से प्रार्थी के खातेदारी की उपरोक्त वर्णित आराजी की सिंचाई होती है। इसके साथ ही प्रार्थी ने उक्त भूमि में कृषि कार्य करने हेतु भूमि को सम्भालने एवं रहवास के लिए दो कमरे निर्मित कर रखे हैं। प्रार्थी के खातेदारी अधिकार की उपरोक्त वर्णित भूमि में काश्तकारी हेतु आने जाने, हंकाई जुताई हेतु ट्रेक्टर ट्रौली लाने ले जाने एवं काश्तकारी का कार्य करने हेतु आवागमन के लिए एक मात्र उपलब्ध रास्ता वून्दी-चित्तोड मुख्य सडक से दक्षिणी ओर गांव में आने वाले रास्ते की ओर होते हुये पूर्वी ओर घुमकर रामकिशन एवं गोपाल कुमावत के मकानों के बीच में से होकर पूर्वी ओर करीबन 15 फिट चौड़ा रास्ता प्रार्थी के खातेदारी की भूमि खसरा संख्या 144 में पहुंचता है उक्त रास्ते के अतिरिक्त प्रार्थी के खातेदारी की चरण संख्या 1 में अंकित आराजी में आने-जाने एवं ट्रेक्टर ट्रौली लाने ले जाने एवं काश्तकारी के कार्य के लिए आवागमन का अन्य कोई रास्ता उपलब्ध नहीं है। उक्त रास्ता गांव में आने वाले रास्ते से पूर्वी ओर सरकारी भूमि खसरा संख्या 383/145 गै० मु० खलियान में होकर प्रार्थी के खाते की भूमि खसरा संख्या 144 तक पहुंचता है। यह रास्ता प्रार्थी के पूर्वजों के समय से यानि 100 वर्ष से भी अधिक वर्षों से बना हुआ है। वर्तमान में उक्त रास्ता पक्का बना हुआ है जो वर्तमान में विद्यमान है। वर्तमान में राजस्व नक्शें में प्रार्थी के खातेदारी की भूमि में पहुंचने वाले एक मात्र उपलब्ध उपरोक्त वर्णित रास्ते की नक्शें में तरमीम नहीं हो रही है जिससे प्रार्थी के कानूनी हकों पर कुठाराघात हो रहा है। क्योंकि उपरोक्त वर्णित रास्ते के अतिरिक्त प्रार्थी के खातेदारी की उक्त भूमि में काश्तकारी हेतु आवागमन के लिए अन्य कोई रास्ता उपलब्ध नहीं है। प्रार्थी को अधिकार प्राप्त है कि यह प्रार्थना पत्र की चरण संख्या 3 में वर्णित प्रार्थी के खातेदारी की भूमि में काश्तकारी हेतु आवागमन के लिए

Enx